This question paper contains 2 printed pages. *Your Roll No.* .....

Sl. No. of Ques. Paper : **5263 C**
Unique Paper Code : **210301**
Name of Paper : **History of Western Philosophy**
Name of Course : **B.A. (Hons.) Philosophy**
Semester : **III**
Duration : 3 hours *Maximum Marks* : 75

Attempt any five questions. All questions carry equal marks.
किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
Answers may be written either in English or in Hindi but the same medium should be used throughout the paper.
प्रश्नों के उत्तर अंग्रेजी अथवा हिन्दी में दीजिए परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. "And observing that this truth'I am thinking therefore I am' was so solid..... I judged it as the principle of philosophy that I was seeking." Explain with significance to Descartes' first principle.
"यह देखते हुए कि 'मैं सोचता हूँ इसलिए मैं हूँ" एक ठोस सत्य है मैंने इस सत्य को अपने दर्शन का पहला सिद्धान्त स्वीकार करने का निर्णय लिया" देकार्त के पहले सिद्धान्त की व्याख्या करते हुए उसका अभिप्राय बताइए।

Or
अथवा

What are the various arguments advanced by Descartes to prove the existence of God.
देकार्त द्वारा दिए गए ईश्वर के अस्तित्व विषयक विभिन्न प्रमाणों की विवेचना कीजिए।

2. "But in God whose essence is not distinct from His existence, the necessity of essence is not distinct from the necessity of existence." Explain with reference to Spinoza.
"पर ईश्वर में जिसका सार उसके अस्तित्व से भिन्न नहीं है, सार की अनिवार्यता अस्तित्व की अनिवार्यता से भिन्न नहीं है" स्पीनोजा के संदर्भ में इसकी व्याख्या कीजिए।

Or
अथवा

How does Spinoza establish God as one substance discarding the other two substances? In this context explain some of the characteristic features of God.
स्पीनोजा किस प्रकार ईश्वर को अन्य दो पदार्थों को नकारकर एक मात्र सत्य पदार्थ के रूप मे स्थापित करते हैं? इस संदर्भ में ईश्वर की कुछ मुख्य विशेषताओं की व्याख्या कीजिए।

3. "If this doubt could ever rightfully be raised, it would be forever inseparable for Descartes himself and anyone else.....".Discuss Leibnitz's criticism of Descartes method of doubt.
"यदि यह शंका कभी औचित्य पूर्वक उठाई भी जा सके तो इससे उबरना देकार्त या किसी के लिए भी असंभव होगा" देकार्त की संदेह विधि की लाईबनीज द्वारा की गई आलोचना का विवेचन कीजिए।

Or

अथवा

How does Leibnitz react to Descartes' proofs for the existence of God in his "Critical Remarks Concerning the Central part of Descartes Principles"

लाईबनीज किस प्रकार अपनी क्रिटिकल रिमार्कस....." में देकार्त द्वारा ईश्वर की सत्ता को स्थापित करने के लिए दिए गए प्रमाणों पर अपनी प्रतिक्रिया प्रस्तुत करते हैं।

4. What arguments are put forward by Locke to reject innate ideas.

लॉक ने जन्मजात सिद्धान्तों का खंडन करने के लिए कौन से तर्क प्रस्तुत किए।

Or

अथवा

Explain the distinction between primary qualities and secondary qualities according to Locke?

लॉक के अनुसार प्राथमिक तथा गौण गुणों में जो अंतर है उसकी व्याख्या कीजिए।

5. How does Descartes prove that mind and body are different?

देकार्त किस प्रकार मनस् और शरीर की पृथकता को साबित करते है?

Or

अथवा

What are "Complex ideas" according to Locke. In this context explain "Relations" of ideas.

लॉक के विचार में मिश्रित विचार क्या है। इस संदर्भ में विचारों के परस्पर संबंधों की व्याख्या कीजिए।